यीशु ने एक अन्धे को जिसने परमेश्वर पर विश्वास किया, चंगा किया

बच्चों की कोई भी गतिविधि चुनो।

प्रार्थना: "प्रिय परमेश्वर हमारी सहायता कर कि हम भी वैसा विश्वास कर सकें जैसा बरतिमाई ने किया, हमारे पापों को क्षमा करने और चंगाई की महान सामर्थ पर विश्वास कर सकें"।

मरकुस 10:46-52 में खोजें कि एक अन्धा जिसे विश्वास था कैसे यीशु ने उसे चंगा किया।

कहानी बताने से पहले बच्चों को बतायें कि वे सुने और पता करें कि यीशु ने कैसे बरतिमाई को चंगा किया।

कहानी बताने के बाद बच्चों से पूछें:

- बरतिमाई को जब मालूम पड़ा कि यीशु आ रहा है तो उसने क्या किया?
- बरतिमाई के चारों ओर के लोगों ने उससे क्या कहा?
- यीशु ने जब बरतिमाई को पुकारते सुना तो क्या किया?
- यीशु ने बरतिमाई से क्या पूछा?
- यीशु ने क्यों बरतिमाई को चंगा किया?

गतिविधि:- कुछ बच्चों की आँखों पर पट्टी बांधो मानो वे बरतिमाई हैं। उनसे पूछें:

- कैसा लगता है?
- दूसरे बच्चों को ऐसा समझने दें कि वे बरतिमाई के आस पास के लोग हैं। वे बरतिमाई को चुप हो जाने के लिये क्या करते हैं? (उत्तर: वे इस प्रकार कहेंगे: "यीशु बहुत व्यस्त है" "यीशु तुझ को नहीं जानता" "तेरा अन्धापन तेरे पाप के फल है" "तू यीशु के लिये महत्वपूर्ण नहीं है"।
- जिन लोगों ने ऐसी बातें कहीं हैं उनके लिये उत्तर सोचो।

यीशु का बरतिमाई को चंगा करने का **नाटक करें** मरकुस 10:46-52

- **बड़े बच्चों** को नाटक में अभिनय करने दे: **यीशु, बरतिमाई** और प्रवक्ता बरतिमाई पुराने कपड़े पहनता है (कोई भी पुराने कपड़े) आँख बन्द करके बैठता है।
- **छोटे बच्चों** को **चेलों और लोगों** की भूमिका करने दें।

प्रवक्ता: पढें मरकुस 10:46-52

लोग: "देख यीशु आ रहा है! परमेश्वर की प्रतिज्ञा किया हुआ उद्धारकर्ता!"

बरतिमाई: "दाऊद की सन्तान मुझ पर दया कर!"

लोग: "चुप रह! उस महान व्यक्ति को तंग मत कर!"

"श...श...श! हम सुनना चाहते कि यीशु क्या कहता है।"

बरतिमाई: "दाऊद की सन्तान मुझ पर दया कर!"

यीशु: "रूको" (यीशु और लोग रूक जाते हैं) कहता है "उसे यहाँ बुलाओ"

लोग: "ढाढ़स बांध खड़ा हो! वह तुझे बुला रहा है" (हाथ पकड़कर यीशु की ओर ले जाते हैं, बरतिमाई अपना पुराना वस्त्र फेंक देता है)

यीशु: "तू क्या चाहता है कि मैं तेरे लिये करूं"?

बरतिमाई: "महान गुरू मैं दृष्टी पाना चाहता हूँ!"

यीशु: (उसकी आखों को छूता है) कहता है, "जा तेरे विश्वास ने तुझे चंगा किया है"।

प्रवक्ता: "एक दम उसकी आँखें खुल गई और वह यीशु के पीछे हो लिया" (हर एक जिन्होंने नाटक में सहायता की धन्यवाद)

मंडली के अगुवों के साथ बच्चों के लिये प्रबंन्ध करें:

- आराधना के बीच में बड़ों के लिये नाटक प्रस्तुत करें
- अध्ययन के पास जो प्रश्न की सूचि है बड़ों से प्रश्न पूछें।
- कविता या जो कुछ उन्होंने तैयार किया है प्रस्तुत करें।

एक अन्धे आदमी की **तस्वीर बनायें** (यदि सिर की तस्वीर खराब दिखती है, तो पूरा आदमी बनायें)

- बड़े बच्चों को छोटो की मदद करने दें।
- एक चेहरा आँख बन्द किये हुए बनायें ये बताते हुए कि हमारा जीवन जब यीशु की सामर्थ पर विश्वास नहीं है तब कैसा है।
- जो तस्वीर उन्होंने बनाई उसे बड़ों को दिखायें और अर्थ समझायें।

कविता: दो बच्चों को यशायाह 53:4 एंव 5 बोलने याद करने दें।

निश्चय उसने हमारे रोगों को सह लिया और हमारे ही दु:खों को उठा लिया;
तोभी हमने उसे परमेश्वर का मारा कूटा और परीक्षा में पड़ा हुआ समझा
परन्तु वह हमारे ही अपराधों के कारण घायल किया गया,
वह हमारे अधर्म के कामों के हेतू कुचला गया;
हमारी ही शान्ति के लिये उस पर ताड़ना पड़ी कि उसके कोड़े खाने से हम लोग चंगे हो जाएं।

जो कुछ भी **बड़े बच्चों** ने होते देखा उस पर उन्हें कोई कविता गीत या छोटी कहानी या उस उदाहरण के विषय जो देखा गवाही दें, कि जो दिखाता है कि आज यीशु कैसे लोगों को चंगा करता है।

लूका 11:9 को **कंठस्थ करो**

प्रार्थना: "प्रिय प्रभु धन्यवाद कि आपने हमारी आत्मिक आँखों को और कानो को खोला कि जो आप कहते हैं सुने और विश्वास करें। हमें हमारे पापों से उद्धार पाने और चंगा करने के लिये सामर्थी होने के लिये हम प्रशंसा स्तुति करते हैं। सहायता कर कि आपकी सामर्थ पर हम विश्वास करें और लगातार सहायता के लिये पुकार सकें जैसे बरतिमाई ने किया"।

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net